विज्ञान पत्रकारिता में एक निजी यात्रा 21

समाज में वैज्ञानिक नज़रिया बनाने, विज्ञान के प्रति रुचि जगाने, उच्च शिक्षा में विज्ञान को चुनने या विज्ञान में करियर बनाने हेतु प्रोत्साहित करने में विज्ञान पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज़ादी के बाद से ही हिन्दुस्तान में विविध भाषाओं में विज्ञान पत्रिकाओं का प्रकाशन हुआ है। हमारे वरिष्ठ साथी रैक्स डी' रोज़ारियो अपने विज्ञान पत्रकारिता के अनुभवों को हम सबके साथ साझा कर रहे हैं।

1970 के दशक के प्रिंट मीडिया से आज के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक के सफर में विज्ञान पत्रकारिता में क्या बदलाव आए, किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा जैसे अनेक मुद्दों पर रैक्स ने अपने विचार प्रकट किए हैं।

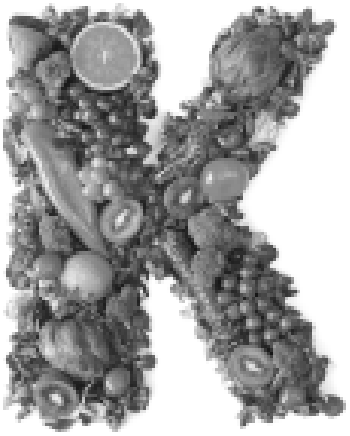

खुशकिस्मत इत्तफाक..... 55

विज्ञान के आगे बढ़ने की प्रक्रिया ही ऐसी है कि किसी प्रश्न-विशेष के बारे में सोचते हैं, तब शुरू होती है शोध की प्रक्रिया। ऐसा ही कुछ विटामिन K के साथ भी हुआ। वैसे तो विटामिन K की खोज 1935 में हो गई थी लेकिन इस विटामिन की इन्सानी शरीर में क्या भूमिका है इसके बारे में तीन दशकों बाद पता चला। विटामिन K की खोज एवं उसके विभिन्न अन्य घटनाओं से जुड़ाव के विभिन्न रोचक पहलूओं के बारे में जानते हैं इस लेख में।

चालाक और खतरनाक मकड़ियों के हमले..... 65

आमतौर हम अपने आसपास मकड़ियों को विविध गतिविधियों में मशरूफ पाते हैं। इनमें शिकार के लिए जाल बुनना प्रमुख है। कुछ मकड़ियाँ अपने शिकार को धर दबोचने के लिए चिपचिपे जाले बुनती हैं तो कुछ शिकार पर अपने ज़हर का उपयोग कर उन्हें पैरेलाइज़ करती हैं। मकड़ी की लगभग 40,000 प्रजातियाँ इस दूसरे तरीके को अपनाती हैं। आइए देखते हैं क्या-क्या करती हैं मकड़ियाँ अपने शिकार पर काबू पाने के लिए।

नज़र-नज़र का फेर..... 101

एकलव्य संस्था हर साल शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए आवासीय विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है। इस प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में कुछ चुने हुए सवालों-जिज्ञासाओं पर प्रोजेक्ट बनाने होते हैं या जाँच-पड़ताल करनी होती है।

शिक्षकों के एक समूह ने सवाल चुना - नज़र लगना क्या होता है? निजी अनुभवों, चर्चाओं एवं तर्क का दौर चला। सामान्य मान्यताओं के अन्धविश्वास में तब्दील होने का खतरा भी सामने दिख रहा था। क्या वे किन्हीं निष्कर्षों तक पहुँच सके? क्या थे वो निष्कर्ष?

शैक्षणिक संदर्भ

अंक 100 सितम्बर-अक्टूबर 2015

इस अंक में

आपने लिखा... 04

आपने लिखा के बहाने... 07
माधव केलकर

विज्ञान पत्रकारिता में... 21
रैक्स डी' रोज़ारियो

सवालीराम का सवाल... 37
राजेश खिंदरी

पृथ्वी कितनी जवाँ है? 47
सुशील जोशी

खुशकिस्मत इत्तफाक... 55
विलियम डी. लैटस्पीच

चालाक व खतरनाक मकड़ियों 65
पारुल सोनी

तारे, तारों की धूल... 71
रुद्राशीष चक्रवर्ती

गलतियाँ करना यानी... 82
रवि कांत

कक्षा में पढ़ने की प्रक्रियाएँ 94
कमलेश चन्द्र जोशी

नज़र-नज़र का फेर... 101
हिमांशु श्रीवास्तव

अजनबी पेड़ों की पहचान.. 114
किशोर पंवार व भोलेश्वर दुबे

आर्ट गैलरी... 130
कुमार अंबुज

एक्सपायरी डेट के मायने.. 142
सवालीराम